बालवाटिका पर रिपोर्ट - ///

सत्र: 2023-2024

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विद्यालय में बालवाटिका ।।। के संचालन का उद्देश्य बच्चों को संज्ञानात्मक और भाषाई दक्षताओं के साथ तैयार करना है जो पढ़ने, लिखने और खेल आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से संख्या बोध विकसित करने के लिए पूर्व-आवश्यक हैं।

बालवाटिका कक्षाएँ अच्छी तरह हवादार, डिज़ाइन की गई, बच्चों के अनुकूल, इंटरैक्टिव पैनलों से सुसज्जित और सभी सुरक्षा उपायों के साथ खुले साझाकरण और भंडारण के साथ समृद्ध भाषा से सुसज्जित हैं। शैक्षिक सामग्री, जादूई पिटारा खिलौने उम्र के अनुरूप पठन सामग्री हैं और सीखने के संसाधन कक्षाओं में आसानी से उपलब्ध हैं।

इस सत्र में बालवाटिका ।।। के नन्हें बच्चों को भारत के माननीय राष्ट्रपति से मिलने का मौका मिला। इसके अलावा, छात्रों ने जनवरी 2024 में राष्ट्रपति भवन दिवस और के.वी.एस. के हीरक जयंती समारोह में भाग लिया।

नन्हे-मुन्ने बच्चों को माननीय शिक्षा मंत्री से मिलने का मौका मिला। धर्मेंद्र प्रधान और राज्य शिक्षा मंत्री: श्रीमती अनुपमा देवी, माननीय आयुक्त केवीएस: निधि पांडे ने बालवाटिका III का दौरा किया और छात्रों के साथ बातचीत की।

थीम आधारित शिक्षा बच्चों को तात्कालिक वातावरण से जुड़ने में मदद करती है। खिलौना आधारित शिक्षाशास्त्र सीखने का एक आकर्षक और इंटरैक्टिव तरीका प्रदान करता है जो उन्हें रचनात्मक कल्पना और समस्या सुलझाने के कौशल को प्रोत्साहित करने में मदद करता है। इस तरह शिक्षक ने सभी बच्चों को शिक्षार्थी के रूप में सफल होने में मदद करने के लिए नवीन और विभिन्न रणनीतियों को अपनाया।